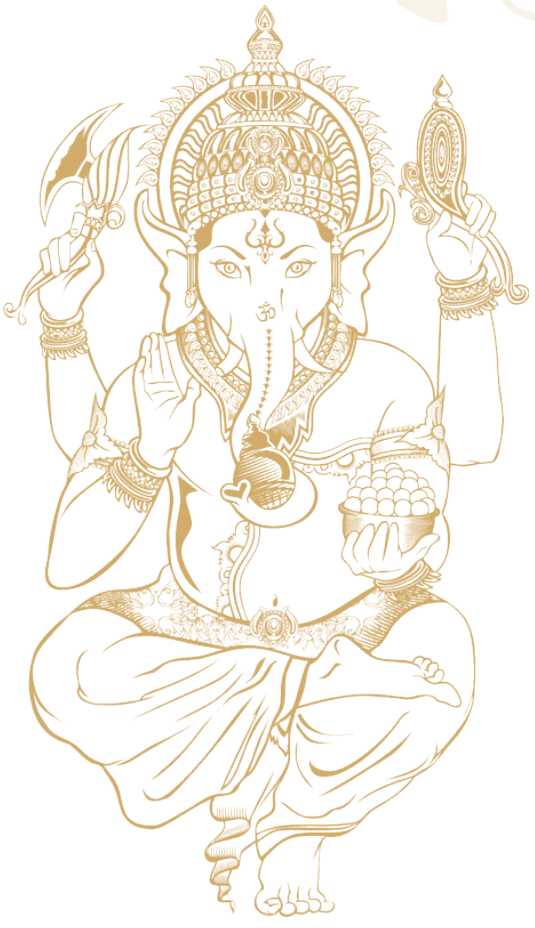

Kalpesh

Bhagyashree

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121095304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/10/1994	जन्म तिथि	25-26/12/2000
सोमवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 06:30:00	जन्म समय	04:02:00 घंटे
घटी 00:11:46	जन्म समय(घटी)	52:32:16 घटी
India	देश	India
Savda	स्थान	Savda
21:10:00 उत्तर	अक्षांश	21:10:00 उत्तर
75:58:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:17	सूर्योदय	07:01:05
17:56:03	सूर्यास्त	17:51:43
23:47:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 9मा 9दि	06:54:13	तुला	लग्न	तुला	29:42:21	केतु 0वर्ष 2मा 12दि
गुरु	06:36:08	तुला	सूर्य	धनु	10:35:18	सूर्य
03/08/2018	25:39:47	वृष	चंद्र	धनु	12:56:56	09/03/2021
03/08/2034	16:39:55	कर्क	मंगल	तुला	07:30:38	10/03/2027
गुरु 20/09/2020	00:29:01	तुला व	बुध	धनु	10:39:49	सूर्य 27/06/2021
शनि 04/04/2023	26:01:16	तुला	गुरु व	वृष	08:51:47	चन्द्र 27/12/2021
बुध 10/07/2025	21:53:48	तुला व	शुक्र	मक	26:20:08	मंगल 03/05/2022
केतु 16/06/2026	12:07:18	कुंभ व	शनि व	वृष	01:00:57	राहु 28/03/2023
शुक्र 14/02/2029	21:00:59	तुला	राहु व	मिथु	21:35:56	गुरु 14/01/2024
सूर्य 03/12/2029	21:00:59	मेष	केतु व	धनु	21:35:56	शनि 26/12/2024
चन्द्र 04/04/2031	28:48:22	धनु	हर्ष	मक	24:29:55	बुध 02/11/2025
मंगल 10/03/2032	26:54:47	धनु	नेप	मक	11:15:07	केतु 10/03/2026
राहु 03/08/2034	03:06:55	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:40:58	शुक्र 10/03/2027

लग्न-चलित

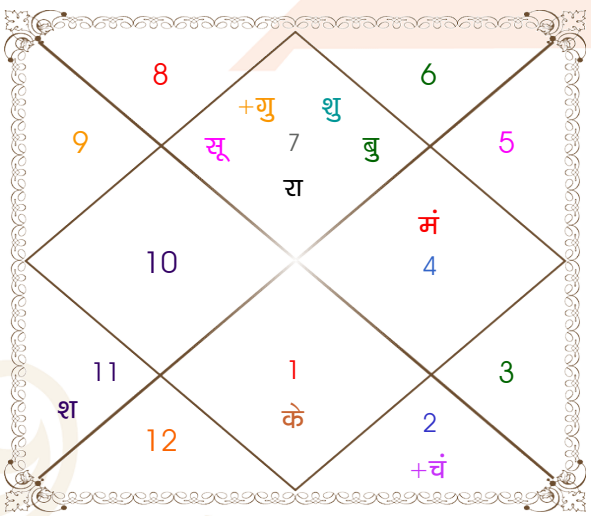

लग्न-चलित

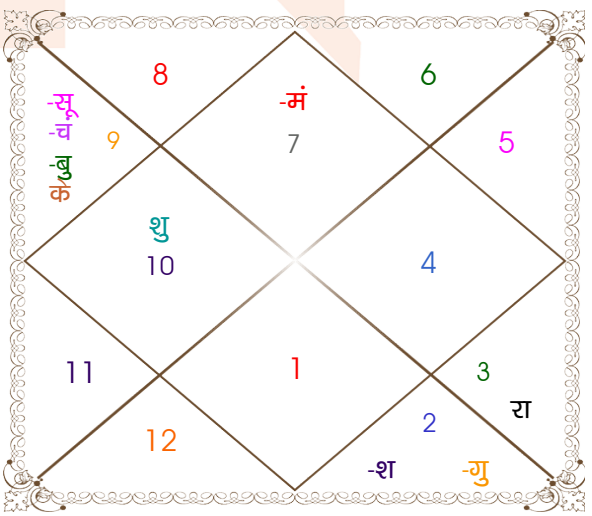

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

झंसचमेी का वर्ग मृग है तथा ठींहलेीतमम का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंसचमेी और ठींहलेीतमम का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

झंसचमेी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ठींहलेीतमम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु झंसचमेी कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

झंसचमेी तथा ठींहलेीतमम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।